दैनिक भास्कर
बिलासपुर भास्कर 06-07-2025

सीजे सिन्हा ने कहा- कोर्ट परिसर में सफाई मानकों का कड़ाई से पालन हो

अनुभागों का किया निरीक्षण, दुर्ग-अंबिकापुर कोर्ट का जायजा लिया

बिलासपुर| हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने शनिवार को हाई कोर्ट के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। साथ ही अंबिकापुर व दुर्ग जिला न्यायालयों का वर्चुअल जायजा लिया। इस दौरान सीजे ने अभिलेख कक्षों, ग्रंथालय तथा सेवा क्षेत्रों की कार्यप्रणाली, संरचना एवं समग्र रखरखाव की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की। साथ ही स्वच्छता एवं रखरखाव के महत्व को रेखांकित किया। सीजे ने अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद कर कार्य परिवेश और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने न्यायालय परिसर के सभी क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सफाई मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीजे ने कहा कि स्वच्छता केवल बाहरी स्वरूप का विषय नहीं है, बल्कि यह संस्था के अनुशासन, कार्यकुशलता एवं गरिमा का प्रतिबिंब है। इस संबंध में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) एवं संबंधित पर्यवेक्षणीय अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने एवं साफ-सफाई की समय-सारणी का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल खिलावन राम रिगरी, रजिस्ट्रार (न्यायिक), संयुक्त रजिस्ट्रार (एम) एमवीएलएन सुब्रह्मण्य, रजिस्ट्रार पंकज कुमार जैन और अतिरिक्त रजिस्ट्रार संतोष ठाकुर भी मौजूद रहे।

सीजे ने न्यायिक अधिकारियों से की चर्चा

छत्तीसगढ़ राज्य में 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने सीजे रमेश सिन्हा वर्चुअल बैठक की। इसमें प्रदेशभर के जिला न्यायाधीश, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, न्यायाधीश, वाणिज्यिक न्यायालय, रायपुर, सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के अफसर शामिल हुए। सीजे ने कहा कि न्यायालय में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के जरिए कम करने और तेजी से न्याय प्रदान करने यह अभियान एक महत्वपूर्ण जन-हितैषी उपाय है। मध्यस्थता से अधिक प्रकरणों की पहचान और रेफरल प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने व उच्च न्यायालय की मध्यस्थता निगरानी समिति को समयसीमा के अंतर्गत प्रतिवेदन देने निर्देशित किया। इस दौरान वर्चुअल बैठक में जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू, जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी, जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल भी मौजूद रहे।